ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Expenditure on health care

*181. PROF. ALKA BALRAM KSHATRIYA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the expenditure on health care in percentage of GDP has been declining, whereas health care needs have grown steadily over the years; and

(b) the steps taken to raise the Central and State health outlays appropriately in view of the emerging new challenges to health and to ensure adequate health care facilities in all parts of the country?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SHATRUGHAN SINHA): (a) and (b) A Statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) As per World Health Report, 2002 of WHO, the percentage of total expenditure on health to GDP has remained in the vicinity of 5% since 1995. The health care needs over the years have no doubt grown with the increase in population.

(b) Government has been making every effort to increase its contribution to public health expenditure. The resources for public investment in health sector are being augmented by securing assistance from various bilateral and multilateral agencies for implementation of various disease control programmes. To provide quality health care services to the people in the rural areas, especially the poor and the underserved, health infrastructure is being upgraded under the State Health Systems Project which is presently under implementation in seven States with World Bank assistance. The project will be gradually extended to other States. Additional Central Assistance is provided to States/UTs under the Prime Minister Gramodaya Yojana as well.

The National Health Policy—2002 announced by the Government during the year envisages increasing public health investment to 2% of GDP by the year 2010 from the existing 0.9%. It is also proposed in the Policy that State Governments would increase their expenditure on health sectors to 7% of their total budget by 2005 and to 8% of the budget by 2010. The Central Government contribution would rise to 25% from the existing 15% by 2010. Government is making all efforts to increase expenditure on health as per the Policy subject to overall financial constraints. The Tenth Plan outlay for Central Health Sector subject to approval (by National Development Council) has been fixed at Rs. 9253 crore compared to Rs. 5118 crore during the Ninth Plan.

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: माननीय सभापति जी, मैंने माननीय मंत्री जी से एक सीधा सा सवाल किया था जिसका स्पष्ट उत्तर मुझे नहीं मिला है। मैंने सीधा सा सवाल पूछा था कि स्वास्थ्य परिचर्या आवश्यकता में वृद्धि हुई है और उसके हिसाब से क्या खर्चा कम हुआ है या नहीं, क्योंकि यह बड़ा गंभीर मामला है। आपने बताया कि वृद्धि हुई तो क्या यह आप कबूल करते हैं कि इसके हिसाब से खर्चा कम हो रहा है और अगर हो रहा है तो क्यों हो रहा है?

श्री शत्रुघ्न सिन्हा: चेयरमैन सर, खर्चा इन द विसिनिटी ऑफ 5 परसेंट ही रहा है। अगर माननीया सदस्या जानना चाहेंगी कि सातवीं योजना में कितना, आठवीं में कितना या नौवीं में कितना तो मैं बता सकता हूं कि अभी तक 4.99, 5, 5.1, 5.2, 5.3, 5.4. इसी तरह से जैसे 1995 में 5 परसेंट था, 1996 में 5.2 परसेंट, 1997 में 5.3 परसेंट, 1998 में सिर्फ 5 परसेंट और 1999 में 5.1 परसेंट ही रहा है यानी विसिनिटी ऑफ 5 परसेंट ही रहा है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि खर्चा कम हुआ है।

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: सभापति जी, इन्होंने 1999 तक का बताया, सन् 2002 तक का क्या रेकार्ड है, एक तो मैं यह जानना चाहती हूं, दूसरी बात, मैंने दोनों के साथ पूछी थी कि जिस हिसाब से खर्चा हो रहा है उसी हिसाब से उसमें बढ़ोत्तरी हुई है या नहीं, एक बार फिर से मैं दोहरा रही हूं? दूसरी बात, यह बहुत गंभीर मामला इसलिए भी है कि इस देश में और दुनिया में सब जगह जितना अमीरों का जीने का हक है उतना ही गरीबों का भी है। अमीर प्राइवेट में भी जा सकते है। लेकिन गरीब नहीं जा सकते।

श्री सभापति: आप सीधा प्रश्न कीजिए।

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: मैं सीधा सवाल कर रही हूं। मैंने पहले भी कहा था और फिर कह रही हूं कि उसके हिसाब से ही अर्थात् खर्चे के हिसाब से मुझे जवाब दिया जाए। मैंने बहुत सीधा सा सवाल किया है। आप घुमा-फिरा कर जवाब मत दीजिए।

श्री शत्रुघ्न सिन्हा: चेयरमैन सर, मैं घुमा-फिरा कर न कोई जवाब देता हूं और न देना चाहूंगा। हमारे पास जो जानकारी है उसके आधार पर यह कहना चाहूंगा विसिनिटी ऑफ 5 परसेंट ही खर्चा हुआ है। अब रही बात कि पिछले साल कितना हुआ, सभापति जी, अगर पिछले साल की जानकारी हासिल करनी है तो...(व्यवधान)

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: दोनों के हिसाब से।

श्री शत्रुघ्न सिन्हा: महोदय, पहले मैं यह बताना चाहूंगा कि इसका एक टाइम लैग होता है जिसके आधार पर बताते हैं, जैसे मैंने आंकड़े दिए, अभी पिछले साल 4.9 परसेंट है। इसलिए मैं बार-बार जोर दे रहा हूं कि विसिनिटी ऑफ 5 परसेंट पर ही टिका हुआ है। अब जहां तक खर्चे की बात है तो पूरे देश में पब्लिक या प्राइवेट सैक्टर को मिला कर पर कैपिटा करीब 23 डॉलर खर्चा होता है,

जिसमें पब्लिक हेल्थ सैक्टर इन्वेस्टमेंट में 4 डॉलर और 19 डॉलर जाता है बाकी तमाम लोगों का, उन 4 डॉलर में यानी 200 रुपये पर कैपिटा पर एनम हिन्दुस्तान में खर्चा होता है। माननीय सदस्या अगर इसके अलावा और कोई बात पूछना चाहें तो मैं उन्हें बता सकता हूं।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: धन्यवाद, सभापति जी। ससभापति जी, हमारे समाज का निष्ठुर और निर्मम वर्गीय यथार्थ चित्र अगर हमें देखना है तो स्वास्थ्य से बेहतर चित्र और कहीं नहीं मिल सकता। इस क्षेत्र में जो असमानताएं, हमें देखने को मिलती हैं, वह और कहीं नहीं मिलेंगी। बहरहाल मैं मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि क्या वह यह बताने का कष्ट करेंगे कि हमारे समाज में जो सब से कमजोर और सब से गरीब तबका है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में उस गरीब तबके को सरकारी अनुदान कितने प्रतिशत मिलता है और अमीर जनता को कितने प्रतिशत मिलता है? साथ में कृपया इस तथ्य को भी बताने की कोशिश करें कि शिशु मृत्यु दर अमीर वर्ग में कितनी है और हमारे देश का जो सब से गरीब तबका है, उस में कितनी है?

श्री शत्रुघ्न सिन्हा: चेयरमैन सर, अभी पब्लिक हैल्थ इनवेस्टमेंट में हमारे देश के जी०डी०पी० का 0.9 प्रतिशत जाता है और हमारी नेशनल हैल्थ पॉलिसी के हिसाब से वर्ष 2010 में यह बढ़कर 2 प्रतिशत होने की बात कही गयी है। लेकिन मैं यह भी बताना चाहूंगा कि अभी इसका 15 प्रतिशत स्टेट्स में जाता है और 2010 में यह 2 प्रतिशत हो जाएगा। जाहिज है कि तब 25 प्रतिशत स्टेट्स में जाएगा। अब जहां तक गरीब तबके का संबंध है तो गरीब सरकार की प्राथमिकता है, वह हम सभी की प्राथमिकता है और उस के लिए हम जितना कर रहे हैं, उसके पहले यह जानना जरूरी है कि हमारे पास कितने सोर्सेस और रिसोर्सेस हैं। उस हिसाब से जो हम कर रहे हैं, मेरा ख्याल है कि वह कम नहीं कर रहे हैं। वैसे यह स्टेट सब्जैक्ट है और स्टेट को हम जो राशि देते हैं, उस हिसाब से वे काम करती हैं।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति महोदय, इस बारे में मंत्री जी बिल्कुल * हैं...

श्री सभापति: आप यह बात छोड़िए। आप ने प्रश्न पूछ लिया है।

श्रीमती सरला महेश्वरी: गरीब हमारी प्राथमिकता है जबकि गरीबों को 10वां हिस्सा भी नहीं मिलता है।

श्री सभापति: आप ज्ञान और * की बात छोड़ दीजिए।...(व्यवधान)... * शब्द प्रोसीडिंग्स से निकाल दीजिए। ...मैं दोबारा अलाउ नहीं करूंगा। डा० मनमोहन सिंह।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: महोदय, मेरा जवाब नहीं आया।

श्री सभापति: जवाब आया कि नहीं आया, यह देखना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने जवाब दिया है।

DR. MANMOHAN SINGH: Mr. Chairman, Sir, the hon. Minister has given a reply which is much too general for us to assess the extent of expenditure on health in the public sector. Specifically, I would like to know from the hon.

*Not recorded.

Minister whether he is satisfied with the progress of public expenditure on diseases like leprosy, because, as per some information that I have, India will be the only country, in ten year's time, where leprosy would still prevail; our leprosy programme is a failure. Similarly, with regard to control of malaria and other communicable diseases, the progress is far short of the anticipated targets. Would the hon. Minister tell us: What is his assessment of the expenditure on these communicable diseases?

SHRI SHATRUGHAN SINHA: Sir, I have great respect for Dr. Manmohan Singh, and I do share the concern that he has expressed. मैं इतना गुणी और इतना काबिल नहीं हूं जितने डॉ॰ मनमोहन सिंह जी हैं, लेकिन इस समय जो सवाल किया गया है, उस में लेप्रोसी और मलेरिया की बात उन्होंने की है, मैं बताना चाहूंगा कि 13 स्टेट्स से लेप्रोसी को ऑलरेडी हटा दिया गया है और अब तो लेप्रोसी को लेप्रोसी के नाम से भी नहीं कहते। चेयरमैन सर, मलेरिया पर भी बहुत काम हो रहा है, लेकिन मैं जानता हूं कि हिंदुस्तान में फिर से मलेरिया बहुत बड़ा रूप ले चुका है। फिर भी टी॰बी॰ के मामले में, मलेरिया के मामले में बहुत बहुत काम हो रहा है, लेकिन Sir, I would like to be very honest; at the moment, इस समय उस पर कितना खर्चा हो रहा है, इस बारे में हमारे पास जानकारी नहीं है। मैं जानकारी हासिल कर के सदन के सामने जरूर रख दूंगा।

AIDS/HIV among the age group of 12—25

*182. SHRI LAJPAT RAI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the estimated number of AIDS/HIV positive women and men in the age group of 12-25 as on 1st January, 2000 in the country;

(b) the number of deaths because of this disease during the past three years, year-wise, State-wise; and

(c) the steps taken to minimise the casualities and the results thereof?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SHATRUGHAN SINHA): (a) to (c) A Statement is laid on the table of the House.

Statement

The National AIDS Control Organization, Government of India conducts Nation wide HIV Sentinel Surveillance every year during the period August-October, covering both high-risk groups as well as general population. This data is also used to estimate the burden of HIV infections in the country in the adult population between 15-49 years of age group by taking certain assump-